



सूर्योदय
प्रातः 6:24 सूर्यास्त प्रा
संध्या 5:06 वा इ

पौष कृ. द्वितीया, संवत् 2081

अधिकतम
22° ता
मा न

चूनतम
08°



प्रेडम फाइटर

राष्ट्रहित सर्वोपरि

रांची, पटना व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

रांची, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024, वर्ष : 15, अंक : 302, कुल पृष्ठ : 12, मूल्य : 2 रुपये, E-mail : freedomfighterranchi@gmail.com / epaper : avnpost.com/freedom-fighter

शेयर बाजार	शेयरेक्स	81,748,57
निपटी	24,068.25	-384.55 (-0.47%)
सरफा बाजार	24 carat	-100.05 (-0.40%)
सोना	76,860.00	
चांदी	1000.00	

एक झलक

सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

रायपुर/बालोद : छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में आधीरी बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक तेज रफ्तार ट्रक और कार की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें एक एक बच्चा, चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। सात लोग घायल हुए हैं। उनकी हालत गंभीर है। यह हादसा डौलाना क्षेत्र के ग्राम चोहापड़ाव के पास हुआ है संबंध में अतिरिक्त पुरिया अधीक्षक अंशक के जांशी ने बताया कि कार सवार लोग नामकरण संस्कार (छठी) कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रविवार देररात डौली से गुरुद्वा लौट रहे थे। इसी डौली नामी थाना क्षेत्र के ग्राम चोहापड़ाव के पास हुआ है संबंध में अतिरिक्त पुरिया अधीक्षक अंशक जांशी ने बताया कि कार सवार लोग नामकरण संस्कार (छठी) कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रविवार देररात डौली से गुरुद्वा लौट रहे थे। इसी डौली नामी थाना क्षेत्र के ग्राम चोहापड़ाव के पास कार (सीजी04एलटी8049) को दल्लीराजहा से भानुप्रतापपुर की तरफ जा रहा तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर कराया।

महिला आयोग के समक्ष पेश हुए एसजीपीसी अध्यक्ष चंडीगढ़ : पंजाब महिला आयोग से नोटिस मिलने के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रधक्ष कार्यालय के अध्यक्ष हराजिंदर सिंह धामी सोमवार की चंडीगढ़ पहुंचे और महिला आयोग के समक्ष अपने बयान दर्ज कराया।

उन्होंने कहा कि हमने महुआओं की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हमने श्रीलंका में निर्माण और सुलभ के बारे में भी बात की। राष्ट्रपति दिवानायके ने उन्हें अपने समावेश विकास के बारे में बताया। हमें उन्होंने कहा कि श्रीलंका सरकार तमिलों की आजीविकाओं को पूरी करेगी और श्रीलंका के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने श्रीलंका में निर्माण और सुलभ के बारे में भी बात की। राष्ट्रपति दिवानायके ने उन्हें अपने समावेश विकास के बारे में बताया। हमें उन्होंने कहा कि श्रीलंका का राजस्थान का दोस्त करेगा। प्रधानमंत्री राजस्थान सरकार के एक वर्ष प्रारंभ होने के उत्तराध्ययन में आयोजित 'एक वर्ष-परिवारितम' कार्यक्रम में भाग ले गये। इस दौरान वह जग्यगुरु में ऊर्जा, सड़क, रेलवे और जल से जुड़ी 46,300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएसआर) ने सोमवार को एक बहु-उत्पादन स्थापित करने के लिए भारतीय रेलवे ट्रॉकर और अनुदान विकास विभाग के बारे में बताया। इस दौरान वह जग्यगुरु में ऊर्जा, सड़क, रेलवे और जल से जुड़ी 46,300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। जिनमें 07 रेल सरकार की परियोजनाएं और 02 राज्य सरकार की परियोजनाएं शामिल हैं। वह 35,300 करोड़ रुपये से अधिक की 15 परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जिनमें 09 ● शेष पृष्ठ 11 पर

ममता इंडिया गढ़बंधन की नेता बनने के लिए सबसे योग्य नयी दिल्ली : नवमूल सांसद अधिकारी बननी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इंडिया गढ़बंधन के नेता के तौर पर बढ़वारी का समर्पण किया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने एक भागीदार बना रही है। और भारतीय बंगाल की गढ़बंधन की नेता के तौर पर बढ़वारी का बदला दिया है। नयी दिल्ली : नवमूल सांसद अधिकारी बननी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इंडिया गढ़बंधन के नेता के तौर पर बढ़वारी का समर्पण किया। उन्होंने कहा कि आप सबसे वरिष्ठ नेता हैं, तीन बार की मुख्यमंत्री और तीन बार की संसदीय हैं। केन्द्र सरकार में कई मंत्री पद खाली रही हैं।

कूएं की खुदाई से मिलीं तान खिंडित मूर्तियाँ

संसद : उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मिले प्राचीन शिल्पालय परिसर की मौजूदी की गढ़बंधन की गयी। इस दौरान तीन खुदाई से मिली हैं। ये मूर्तियाँ मापवती, भगवान गणेश और कार्तिकी की हैं। जिन प्राचीन अवशेष की खुदाई से किंवदंती भारतीय पुरातत्व संक्षण (एसएसई) को देने की तैयारी में है।

अंदर के पन्नों पर

- झारखंड मौसम दर्पण और मौसम रिपोर्ट...
- स्वस्य माता व स्वस्य बच्चे के लिए टीकाकरण...
- अवैध खनन व परिवहन के खिलाफ लें सख्त एकशन...
- सरकार ने 'जलवाहक' योजना की शुरुआत...
- बांग्लादेश ने पहली बार वैस्टइंडीज में टी-20...

शेष पृष्ठ 11 पर

भारतीय सशस्त्र बलों ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान से जीत का प्रतीक 'विजय दिवस' मनाया

शेयर बाजार	शेयरेक्स	81,748,57
निपटी	24,068.25	-384.55 (-0.47%)
सरफा बाजार	24 carat	-100.05 (-0.40%)
सोना	76,860.00	
चांदी	1000.00	

एक झलक

सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

रायपुर/बालोद : छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में आधीरी बड़ा सड़क हादसा हुआ है। एक तेज रफ्तार ट्रक और कार की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें एक एक बच्चा, चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। सात लोग घायल हुए हैं। उनकी हालत गंभीर है। यह हादसा डौलाना क्षेत्र के ग्राम चोहापड़ाव के पास कार (सीजी04एलटी8049) को दल्लीराजहा से भानुप्रतापपुर की तरफ जा रहा तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर कराया।

महिला आयोग के समक्ष पेश हुए एसजीपीसी अध्यक्ष चंडीगढ़ : पंजाब महिला आयोग से नोटिस मिलने के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रधक्ष कार्यालय के अध्यक्ष हराजिंदर सिंह धामी सोमवार की चंडीगढ़ पहुंचे और महिला आयोग के समक्ष अपने बयान दर्ज कराया।

उन्होंने कहा कि हमने महुआओं की आजीविका से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। हमने श्रीलंका में निर्माण और सुलभ के बारे में भी बात की। राष्ट्रपति दिवानायके ने उन्हें अपने समावेश विकास के बारे में बताया। हमें उन्होंने कहा कि श्रीलंका का राजस्थान का दोस्त करेगा। प्रधानमंत्री राजस्थान सरकार के एक वर्ष प्रारंभ होने के उत्तराध्ययन में आयोजित 'एक वर्ष-परिवारितम' कार्यक्रम में भाग ले गये। इस दौरान वह जग्यगुरु में ऊर्जा, सड़क, रेलवे और जल से जुड़ी 46,300 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की 24 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। जिनमें 07 रेल सरकार की परियोजनाएं और 02 राज्य सरकार की परियोजनाएं शामिल हैं। वह 35,300 करोड़ रुपये से अधिक की 15 परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। जिनमें 09 ● शेष पृष्ठ 11 पर

ममता इंडिया गढ़बंधन की नेता बनने के लिए सबसे योग्य नयी दिल्ली : नवमूल सांसद अधिकारी बननी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इंडिया गढ़बंधन के नेता के तौर पर बढ़वारी का समर्पण किया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने एक भागीदार बना रही है। और भारतीय बंगाल की गढ़बंधन की नेता के तौर पर बढ़वारी का बदला दिया है। नयी दिल्ली : नवमूल सांसद अधिकारी बननी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इंडिया गढ़बंधन के नेता के तौर पर बढ़वारी का समर्पण किया। उन्होंने कहा कि आप सबसे वरिष्ठ नेता हैं, तीन बार की मुख्यमंत्री और तीन बार की संसदीय हैं। केन्द्र सरकार में मिले बंगलादी जावानी जैसे लोगों से एक विवराव की तैयारी है।

कूएं की खुदाई से मिलीं तान खिंडित मूर्तियाँ

संसद : उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मिले प्राचीन शिल्पालय परिसर की मौजूदी की गढ़बंधन की गयी। इस दौरान तीन खुदाई से मिली हैं। ये मूर्तियाँ मापवती, भगवान गणेश और कार्तिकी की हैं। जिन प्राचीन अवशेष की खुदाई से किंवदंती भारतीय पुरातत्व संक्षण (एसएसई) को देने क

एक झालक

राज्य के 15 तकनीकी संस्थानों के 30 छात्रों के आइडिया का फाइल के लिए ध्ययन

सिन्दरी (धनबाद) : राज्य

स्तरीय आइडिया पिंचिंग

प्रतियोगिता के लिए राज्य के

105 तकनीकी संस्थानों में से 15

तकनीकी संस्थानों के 30

आइडिया का फाइल के लिए

ध्ययन किया गया है। आइडिया

पिंचिंग प्रतियोगिता का फाइल

झारखंड टैक्सिकल

प्रिविडियालय राजी भौमि

में 21 दिसंबर

को होगा। आइडिया पिंचिंग

प्रतियोगिता आयोजन का

अस्यांशु डॉ। प्रकाश कुमार ने

आइडिया पिंचिंग प्रतियोगिता के

14-15 दिसंबर को आयोजित

सेमीफाइनल में चयनित

तकनीकी संस्थानों और

आइडिया पिंचिंग के प्रणाली की

जानकारी देते हुए बताया कि

सभी अधिकारी

सिद्धी के पांच पिंचिंग आइडिया का

ध्ययन हुआ है। इसमें सेयद

अदनान अहमद का वो-हेल्प,

कुणाल कुमार खर्षणकर का

खाल - प्रिविडियाल, कौशिक

कुमार सिन्हा का सेफगाई, आर्यन

रे का क्यूआर - वेस्ट तथा

प्रिपरंजन द्वारा का पिंचिंग

आइडिया पर्सन का ध्ययन हुआ

है। सभी चयनित प्रतिभागी 21

दिसंबर को राजी भौमि

फाइल में अपने हुनर का

प्रदर्शन करें।

सम्पन्न हुआ श्रीमद्

भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

कतरास (धनबाद) : श्री श्री

राधा कृष्ण प्रेम मंदिर कतरास के

तत्वावानों में आयोजित श्री

मद्भावात कथा का समापन

सेमोवार को हो गया। सुरेंद्र

हरिदास जी ने व्यास पीठ से

भक्तों को कथ श्रवण कराया था।

तकरान 3000 भक्त श्रद्धालु

आज महाप्रसाद भंडार में

शामिल हो गये। इस कथ के दरांगों में

हाजिरी लायाये। इस कथ को

सफल बनाने में प्रमुख परिवार

किशोरी गुप्ता, कर्सूरी देवी

अशोक कुमार वर्मा गीता देवी,

संजय चौधरी, सुमन चौधरी

केंद्रिया पाठ्यकार, श्री सारोंग रेत

निशान यात्रा, श्रीकृष्ण गुप्ता नर्मदा

देवी, अवधेश प्रसाद गुप्ता मनिषा

देवी, मनोज कुमार गुप्ता कविता

गुप्ता, उत्तर वर्मा सुमा रमा, सुपील

खेतान, प्रभावी गुप्ता, राजेश

चौखानी विकास साह

हिम्त सिंह

सुमन देवी, संजय गुप्ता आदि

समाज के सभी के सहयोग से

सफल आयोजन किया गया।

प्रशासन ने निरसा में चलाया

अतिक्रमण हटाओ अभियान

निरसा (धनबाद) : निरसा एवं

गोविंदपुर में लगातार हो रहे महा

जाम के द्वारा हो रहे लोगों का

निरसा और कथ के पास

प्रतियोगिता के लिए ध्ययन

के दौरान निरसा के लिए ध्ययन

सम्पादकीय.....

जनता समझ नहीं पायी मक्सद...?

पैशिक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के निचले सदन संसद लोकसभा में 13-14 दिसंबर 2024 को संविधान पर चर्चा को पूरी दुनियाँ ने देखा जो अब 16-17 दिसंबर 2024 को उपरी सदनराज्यसभा में भी होगी। लोकसभा की चर्चा पर मैंने दोनों दिन बारीकी से पैनी नजर रखी व 14 दिसंबर 2024 को माननीय पीएम के जवाब के बाद सोशल इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया प्लेटफार्म्स पर लगातार डिबेट मुलाकातें वर्दर्शकों द्वारा कर्मेंट्स का जोरदार दौर चल पड़ा जिसमें मैंने देखा कि बहुतेक विश्वेषकों कर्मेंट्स करताएँ को चर्चा का मकसद समझ नहीं आया, क्योंकि इसमें हर राजनीतिक दल, संविधान संशोधन के इतिहास की बातकर एक दूसरे दल की टांग खिंचाई एक दूसरे के संशोधनों को गैरवाजबी व मतलबी संशोधन की संज्ञा देते रहे, तो किसी ने इसको इतिहास की बलास की संज्ञा दी। मैंने विशेषण किया तो मुझे भी इस पर सार्थक चर्चा नजर नहीं आई क्योंकि सभी दल एक दूसरे के द्वारा किए गए संशोधनों पर उंगली उठा रहे थे, इस पार्टी या व्यक्ति ने इतने, तो उस पार्टी या व्यक्ति ने उतने संशोधन किया। विशेष रूप से विपक्षी नेता के 25 मिनट के संबोधन में बहुत समय पीएम उपस्थित नहीं थे, तो वही 1 घंटा 50 मिनट के पीएम के संबोधन में कुछ समय विपक्षी नेता उपस्थित नहीं दिखे, परंतु इन सब से हटकर किसी ने भी ऐसा विचार व्यक्त नहीं किया कि आओ विजन 2047 को रेखांकित कर हम संविधान में इस तरह का संशोधन आगे करें कि विजन को शीघ्र अपनी डेट लाइन से पहले सार्थक सफल बनाने के लिए संविधान में संभावित संशोधन कर रणनीति बनाएं ताकि हम इस लक्ष्य को शीघ्र प्राप्त कर सकें। मुझे उम्मीद है कि 16-17 दिसंबर 2024 को उच्चसदन राज्यसभा में इसपर सार्थक चर्चा जरूर होगी। चूंकि लोकसभा में 13-14 दिसंबर 2024 को संविधान, पर चर्चा इतिहास की बलास लगी अब राज्यसभा में 16-17 दिसंबर को चर्चा

पुरुषों के अधिकारों से तात्पर्य कानूनी और सामाजिक अधिकारों से है, जो खास तौर पर पुरुषों के सामने आने वाली समस्याओं को सम्बोधित करते हैं। भारत में, जबकि महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देना जरूरी है, पुरुषों की चुनौतियों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता है, जैसे कि धारा 498ए आईपीसी के तहत घेरेलू हिंसा के मामलों में झूठे आरोप, मानसिक स्वास्थ्य सहायता की कमी और सीमित पैतृक अधिकार। साझा पालन-पोषण कानूनों के इर्द-गिर्द हाल की बहसें लैंगिक न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करती है। भारत में पुरुषों के अधिकारों को अक्सर लैंगिक समानता पर व्यापक चर्चा में कम ध्यान दिया जाता है। घेरेलू दुर्व्यवहार के शिकार के रूप में पुरुषों को कानूनी मान्यता नहीं मिलती है, जिससे सुरक्षा की मांग करना या दुर्व्यवहार के मामलों की रिपोर्ट करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जीवनसाथी द्वारा भावनात्मक, वित्तीय या शारीरिक शोषण के शिकार पुरुषों को सामाजिक कलंक का समान करना पड़ता है और घेरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, 2005 जैसे मौजूदा ढाँचों के तहत कानूनी सहारा नहीं मिलता है।

पुरुषों से भावनाओं को दबाने की सामाजिक अपेक्षाएँ उनके मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं, जिससे आत्महत्या की दर और अनुपचारित मनोवैज्ञानिक समस्याएँ बढ़ती हैं। 2022 के एनसीआरबी के अंकड़ों से पता चलता है कि आत्महत्या के 72.5% मामले पुरुषों के हैं, जो लिंग-संवेदनशील मानसिक स्वास्थ्य नीतियों की आवश्यकता पर बल देता है। तलाक या अलगाव कानून मातृ हिंसात का पक्ष लेते हैं, पिता की भूमिका को हाशिए पर डालते हैं और बच्चे के पालन-पोषण में उन्हें समान अधिकारों से वंचित करते हैं। अभिभावक और वार्ड अधिनियम, 1890, मातृ हिंसात को प्राथमिकता देता है जब तक कि माँ को अयोग्य नहीं माना जाता है, जिससे माता-पिता की भागीदारी के लिए पिता के अवसर सीमित हो जाते हैं। धारा 498ए (दहेज उत्पीड़न) जैसे लिंग-विशिष्ट कानूनों का कभी-कभी दुरुपयोग किया जाता है, जिससे निर्देश पुरुषों को प्रतिष्ठा, वित्तीय और भावनात्मक नुकसान होता है। राजेश शर्मा बनाम यूपी राज्य (2017) में, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 498ए के दुरुपयोग को नोट किया और झूठे आरोपों के खिलाफ सुरक्षा उपाय पेश किए। पुरुषों के पास शिकायतों को दूर करने के लिए समर्पित संस्थान या हेल्पलाइन का अभाव है सामाजिक रुद्धिवादिता पुरुषों को अपराधी के रूप में चित्रित करती है, संस्थागत दृष्टिकोण को प्रभावित करती है और कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार या यौन उत्पीड़न जैसे मामलों में उचित उपचार को सीमित करती है। विशाखा दिशा-निर्देश केवल महिलाओं के लिए कार्यस्थल पर उत्पीड़न को कवर करते हैं, जिससे पुरुष पीड़ितों को भारतीय कानून के तहत समान सुरक्षा नहीं मिलती है। यौन शोषण के व्यापक पुरुष उत्तरजीवी कानूनी ढाँचे में अपराधित रहते हैं, जिससे उन्हें वैधानिक उपचार या संस्थागत सहायता से वंचित रखा जाता है। उदाहरण के लिए, आईपीसी की धारा 375 बलात्कार को केवल एक महिला के दृष्टिकोण से परिभासित करती है, जिससे यौन उत्पीड़न के पुरुष उत्तरजीवी बिना किसी सहारे के रह जाते हैं। लिंग-टटस्थ कानूनों के लिए लिंग न्याय के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए नीति सुधार।

घेरेलू हिंसा अधिनियम और आईपीसी की धारा 498ए जैसे मौजूदा कानूनों को संशोधित करने के उन्हें लिंग-टटस्थ बनाया जाए, जिससे घेरेलू हिंसा और झूठे आरोपों के खिलाफ पुरुषों के लिए समान सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कनाडा और यूके जैसे देशों में, घेरेलू हिंसा कानून लिंग-टटस्थ है यह पैतृक शिकायतों को सम्बोधित करते हुए बच्चे के सर्वोत्तम हितों को बढ़ावा देता है। साझा पालन-पोषण की अवधारणा ऑस्ट्रेलिया में अच्छी तरह से स्थापित है, जो हिंसात के निर्णयों में दोनों माता-पिता के लिए समान विचार को अनिवार्य बनाती है। कार्यस्थल कल्याण कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत करके और जागरूकता अभियान बनाकर पुरुषों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने वाली समर्पित नीतियाँ स्थापित करें। जापान ने तनाव कम करने को लक्षित करते हुए कार्यस्थल मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिन्हें लिंग-विशिष्ट चित्ताओं को शामिल करने के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। झूठे आरोपों को सम्बोधित करना: कानूनों के दुरुपयोग को रोकने के लिए घेरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और यौन उत्पीड़न के मामलों में झूठे आरोपों को रोकने और दर्दित करने के लिए कड़े तंत्र लागू करें। लैंगिक न्याय के प्रति संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत उपाय पुरुष कल्याण आयोगों की स्थापना है। कानूनी सहायता और परामर्श सहित पुरुषों से जुड़े विशिष्ट मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए महिला आयोगों के समान राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर वैधानिक निकाय बनाएँ।

मोहन सरकार की खेलों के प्रति प्रतिबद्धता

सरकार यदि विकास के लिए प्रति गहरा दिखाई देता है। वैसे तो मध्य में विकास इन दोनों तेजी से दिखा यहाँ बात हम खेलों के संदर्भ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व ने खेलों की दिशा में उल्लेखनीय विभिन्न राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय खेलों के खिलाड़ियों मेंडल जीतकर देश रोखन कर रहे हैं। इसके पीछे प्रदेश को दी जा रही ट्रेनिंग, शिक्षा एवं कलास इंफ्रास्ट्रक्चर का विशेष योगदान यदि एक वर्ष की करें तो में मध्य प्रदेश हासिल की है। इस साल पहली बार ओलंपिट में हिस्सा लिया। वहीं, प्रधानमंत्री और एक प्रशिक्षक को राष्ट्रीय खेलों में उज्जैन में जिम्मास्टिक, एथलेटिक्स स्वर्णिम इतिहास रहा है। देश में उसमें उज्जैन का नाम सर्वप्रथम जिम्मास्टिक अकादमी भी संचालित

द्वारा होते तो असर	गौरतलब	मुकेश तोभर
देश में हर क्षेत्र देता है लेकिन रोरेगे । वस्तुः में मध्य प्रदेश प्रगति की है । में मध्य प्रदेश प्रदेश का नाम में खिलाड़ियों खेलों में बल्डर है । यहाँ	इनमें हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद, शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोभर और पैरा एथ्लीट प्राची यादव, पैरा एथ्लीट पूजा ओझा और कपिल परमार शामिल हैं। कपिल परमार ने पहली बार पैरा ओलंपिक में भाग लेकर को जूड़े में देश को पहला पदक दिलाया। होशंगाबाद के रहने वाले विवेक सागर प्रसाद ने टोक्यो ओलंपिक के बाद लगातार दूसरी बार हॉकी टीम की ओर से परिस ओलंपिक में हिस्सा लिया और टीम में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए देश को पदक दिलाया।	

अपने खेल कौशल का पूर्ण क्षमता के साथ सदृश्योग कर अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर पदक अर्जित कर देश-प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की खास दिलचस्पी के चलते उज्जैन में हाल ही में बहुउद्देशीय खेल परिसर का लोकार्पण हुआ है। खेल विभाग का यह दूसरा वृहद खेल परिसर है, जिसमें इनडोर-आउटडोर खेल की सुविधा व स्विमिंग पूल उपलब्ध है। नव निर्मित खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का एथलेटिक सिथेटिक ट्रैक है तथा इसी परिसर में बहुउद्देशीय खेल परिसर है, गेनिस, मलखंभ एरिना, शूटिंग, फुटबॉल मैदान, नाड़ियों की सुविधा के लिए प्लेयर्स लॉबी आदि ग्राथुनिक जिम की स्थापना की गई है।

तर की शूटिंग रेंज है। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, विभिन्न खेल अकादमियों में खिलाड़ियों को विशेषकों द्वारा नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी लाड़ी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल-श-प्रदेश को पदक दिला रहे हैं।

● किसने क्या कहा



भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

कांग्रेस ने कभी अपनी
आलोचना बर्दाशत नहीं की,
किये कई संविधान संशोधन

निर्मला सीतारमण
विज्ञ संक्षी



एक समावेशी और ब्यायपूर्ण समाज के लिए प्रतिष्ठान होने की जरूरत

अशोक 'प्रवृद्ध'
अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा, राष्ट्रीय मर्मांग में योगदान के रूप में चिह्नित कर अल्पसंख्यकों के क्षेत्र विशेष में उनकी भाषा, जाति, धर्म, संस्कृति, परंपरा आदि की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वभर में प्रत्येक वर्ष 18 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवस मनाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय अल्पसंख्यक अधिकार दिवसकी शुरूआत 18 दिसम्बर 1992 को संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक घोषणा के माध्यम से हुई थी। संयुक्त राष्ट्र के एक विशेष प्रतिवेदक फ्रैंसिस्को कॉपेटोरी के द्वारा अल्पसंख्यक के संबंध में दिए गए एक वैश्वक परिभाषा के अनुसार किसी राष्ट्र-राज्य में रहने वाले जनसंख्या में कम, तथा सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक रूप से

जाकिर हुसैन ने शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ पर्युजन म्यूजिक और बल्ड म्यूजिक में भी तबले को स्थापित किया। 'शक्ति' जैसे बैंड के साथ उन्होंने भारतीय और पाश्चात्य संगीत के अनुदृत संयोजन किए। उनकी उंगलियों की थाप से तबले पर उभरने वाली ध्वनियां संगीत प्रेमियों के दिलों में एक अमिट छाप

उनका आस्था, जनता, विश्वाविद्यालयों के विद्यार्थी भाग ल रहे का ए हुसैन : थम गयी

इन देशों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमें अप्रत्याशित अप्रैलियन्स की कड़ी निंदा की जा रही है। कहीं वह यह विरोध उग्र भी होने लगी है। तिपुसुप्ति राजधानी अगरतला में बांग्लादेश के उपर्याप्त आयोग की इमारत में तोड़फोड़ हुई और कहा जा रहा है कि अल्पसंख्यकों ने अप्रैलियन्स की विरोधी धर्मविद्येत यह घटनाएं न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन हैं, बल्कि लोकतंत्र और जिक ताने-बाने के लिए भी गंभीर चुनौती प्रश्न हिन्दू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण भट्ट द्वया ने उत्तरप्रदेश के बरेली जिले में भोजीपुरा स्थित दिव्यानंद आश्रम वेस्ट में गत दिनों आयोजित हिन्दू सम्मेलन के बाद, जब बांग्लादेश में पाकिस्तान विद्यालय, बांग्लादेशी बहू-बेटियों के साथ जुलाई ज्यादती कर रही थी। उस समय भारत के द्वारा हजार सैनिक भेजे थे और वहां के लोग

स्थायी होती है, परंतु मन नए मित्र नहीं बना पाते। और तुम्हें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनमें शिव शक्ति प्रबल है। वे नव-जीवन लाते हैं या रूपांतरण, या जो है उसे खत्म करते हैं। गुरु शक्ति में ये तीनों शक्तियां पूर्ण रूप से प्रफुल्लित हैं। पहले यह पहचानो कि तुम्हें कौन-सी शक्ति प्रबल है और फिर गुरु शक्ति की आकांक्षा करो, प्रार्थना करो। संपूर्ण सृष्टि सरलता और बुद्धिमत्ता के मंगलमय लय से प्रकृति के नियमों पर चल रही है। यही मंगल ही दिव्यता है। शिव वह सामाजिक्यपूर्ण सरलता है जो कोई नियंत्रण नहीं जानती। शिव का विपरीत है वशी, यानी नियंत्रण। दिव्यांगा प्राप्त करा देता है।

उस्ताद जाकिर हसैन : थम गयी तबले की थप

जाकिर हुसैन ने स्वयं को फिल्मों के लिए तबला बजाने तक ही सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने भारतीय संगीत में नये प्रयोग किए। उनके फिल्म संगीत में योगदान ने तबले और भारतीय शास्त्रीय संगीत को एक नई ऊंचाई दी। दिनांक 15 दिसंबर 2024 को जाकिर हुसैन ने इस संसार को अलविदा कह दिया। उनका निधन भारतीय और विश्व संगीत के लिए एक अपूरणीय क्षति है लेकिन उनकी कला और धुनें हमेसा जीवित रहेंगी। उनकी थाये में छिपी कहानी और उनकी ध्यनियों में बहता संगीत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

तबला वादक अल्लाह रखा के घर में जन्मे जाकिर हुसैन को उनके पिता अल्ला रखवा खान ने बचपन से ही ताल से बाध दिया इसलिए थोड़ा बढ़े होते ही इन्होंने घर के बर्तनों को बचाना प्रारंभ कर दिया था। मात्र 3 वर्ष की आयु से ही जाकिर के पिता उन्हें पखावज पढ़ाने लगे थे। इसके बाद उन्होंने 11 वर्ष की आयु में अमेरिका में अपना पहला कॉन्सर्ट किया था। जाकिर हुसैन 12 वर्ष के थे तब वह अपने पिता उस्ताद अल्ला रखवा खान के साथ एक म्यूजिक कॉन्सर्ट में इंदौर में पहुंचे। वहां मंच पर प्रथात् संगीतज्ञ पं. ओंकारनाथ देखा। उनकी प्रस्तुति समाप्त होते ही पंडित जी ने आशीर्वाद स्वरूप जेब से पांच रुपये का नोट निकालकर उन्हें दिया और पूछा.....बेटा, मेरे साथ बजाओगे? और बस वहीं से जाकिर हुसैन के ताल का सफर शुरू हुआ और वह एक दिन उस्ताद जाकिर हुसैन बन गये।

जाकिर हुसैन ने 'इन कस्टडी', 'द मिस्टिक मस्सेर', 'हीट एंड डस्ट' आदि जैसी कई फिल्मों के लिए संगीत तैयार किया है। मलयालम फिल्म 'वानप्रस्थम' के लिए उनकी रचना, जिसे प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित किया गया था, ने उन्हें विश्व स्तर पर ख्याति

 मेष आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शनैः-शनैः रिस्थिति पक्ष की बनाने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।	 तुला धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। सुख-आनंद कारक समय है।
 वृष स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होंगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे।	 वृश्चिक मनोविनोद बढ़ेंगे। व्यायाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी।
 मिथुन उचित मूल्यांकन कर लें। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा।	 धनु धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होंगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होंगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी।
 कर्क आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है।	 मकर किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी।
 सिंह स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होंगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।	 कृष्ण कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा।
 कन्या आवेश में आना होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेंगी।	 मीन ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का प्रहसास होगा।

एक झालक

पेटल मैदान में कल से शुरू होगा 13 दिवसीय राज्यस्तरीय खादी मेला सह उत्तरी बाजार सहरसा : बिहार राज्य खादी ग्रामीण बोर्ड द्वारा निरन्तर उद्योग मेला के माध्यम से बिहार से जुड़े हो खादी एवं अन्य उद्यमियों को बढ़ावा देने का सतर प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में सहरसा जिला में राज्य स्तरीय खादी मेला सह उत्तरी बाजार लाया जा रहा है, जिसका उद्घाटन जिलाधिकारी वेभेत खादी खादी का बढ़ावा दिया जाएगा। यह मेला 17 से 29 दिसंबर 2024 तक चलेगा। 13 दिवसीय चलने वाला यह मेला सहरसा जिला के पेटल मैदान में लाया जाएगा जिसमें पूरे राज्य की 100 से अधिक खादी एवं ग्रामीणग संस्थाएं भाग लेंगी। खादी संस्थानों के अलावा दूसरे और हथकरण, मुख्यमंत्री उमरी योजना, जीविका आदि योजनाओं के तहत अपना उद्योग चला रहें उद्यमियों को भी मेला में अपनी सामग्रियों का प्रदर्शन करने और बेचने का अवसर प्रदान किया गया है।

हजारों लोगों को कपड़ा बांटने निकली ललैंथ बैंक की टीम पूर्णिया : आनंद फाउंडेशन जो पूर्णिया की कोई सुरुचित युवाओं की सामाजिक टीम है ने पिछो वर्ष की भाँति इस बार भी ललैंथ बैंक की ओर से जरुरतमंदों के बीच 5000 से ज्यादा काड़ों को इकट्ठे कर बांटने के लिए निकल पड़े हैं। आनंद फाउंडेशन एवं कायनुनीटी किंवदन के सदरोंने मिलकर लगभग 5000 लोगों के लिए कपड़ों की व्यवस्था की। उसकी अच्छे से धुलाई कर नई पैकिंग में सजा कर तैयार किया। चार पहिया वाहन में सामानों को रखकर जिसमें मिला-पुरुष, बच्चे के गर्म कपड़ों से लंकर साड़ी, जींस, पैंट शर्ट इत्यादि भी थे थांगें। इस वर्ष का यह शुभ कार्यक्रम शुरूआत करने से पहले पूर्णिया के आईएस अधिकारी एसडीम पार्थ गुप्ता, वरिष्ठ डॉक्टर प्रणव कुमार, प्रेस ललैंथ सिद्धांत किंशुर सिंह की मौजूदगी में ललैंथ बैंक की गाड़ी को विदा किया गया।

फारिबिसांग जे सिमराहा में होगा संतमत ता वार्षिक अधिवेशन फारिबिसांग/अररिया :

फारिबिसांग प्रखेद के सिमराहा के आराही परिषम प्राचारक के रानीपोर्ट में आगामी 9 व 10 मार्च को होने वाले अंरिया जिला सम्मुख संतमत का 30वां वार्षिक अधिवेशन को लेकर संसांग प्रेमी ग्रामीण व जनप्रतिनिधियों की बैठक आज रानीपोर्ट रित सत्र संस्करण में आयोजित की गयी। इस बैठक में वार्षिक अधिवेशन को सफलता को लेकर बैठक में उपस्थित लोगों के साथ चर्चा की गयी। वही जिला वार्षिक अधिवेशन को लेकर पोस्टर भी जारी किया गया। वही साथ ही आगामी 9 दिसंबर को बैठक रखी गयी है, जिसमें आयोजन परिता का गठन के साथ-साथ सफलतापूर्वक संपन्न करने को लेकर पुरुष विचार दिमार्श किया जायेगा।

महिला आईटीआई में पैपर विश्वकर्मा योजना के तहत प्रमाण पत्र वितरण अररिया : फारिबिसांग रित सत्र महिला आईटीआई में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत पहले बैच के 22 प्रशिक्षित कामारों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम भरत सरकार और बिहार सरकार के श्रम संसाधन विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राचारी राजीव कुमार ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और कामगारों को प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रमाणित करना है। इसमें टोकरी बनाना, राजमिस्त्री, लोहार, मालाकार, मूर्तिकार, बद्दी जैसे 18 प्रकार के पारंपरिक कामगारों को शिक्षण किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान कामगारों को 6 दिनों का प्रशिक्षण, दैनिक मजदूरी, 15 हजार रुपये का टूल किट और व्यवसाय शुरू करने के लिए कम दर पर क्रेन की सुविधा दी जाती है। प्रशिक्षण वैच 22 टोकरी नियमांत्रियों को प्रशिक्षक मनोज कुमार द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। आने वाले समय में अन्य कारीगरों जैसे बद्दी, लोहार, ठोरा और राजमिस्त्री को लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी की शुरू किए जाएंगे।

सरकार ने 'जलवाहक' योजना की शुरूआत की, आंतरिक जलमार्ग और कार्ग मूवमेंट को मिलेगा बढ़ावा, एनडब्ल्यू1, एनडब्ल्यू2 और एनडब्ल्यू16 पर कार्ग मूवमेंट को मिलेगा प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की व्यक्तिगत पेशी से छूट मामला ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

फ्रीडम फाइटर



रांची, मंगलवार 17 दिसंबर 2024



मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की व्यक्तिगत पेशी से छूट मामला

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

ज्ञारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 16 जनवरी को

